# Marking Scheme

**SUMMATIVE ASSESSMENT – II (2015-16)**
**Sanskrit (Class – IX)**

**सामान्य निर्देश :**

1. अंकन योजना व्यक्तिपरकता को कम करने और एकरूपता बनाए रखने के लिए सामान्य दिशानिर्देश प्रदान करती है। अंकन योजना में दिए गए उत्तर सबसे अच्छे सुझाव वाले उत्तर हैं।
2. अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही उपयुक्त अंक दिए जाएँ, यह अपनी स्वयं की व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए।
3. वैकल्पिक तरीकों को स्वीकार किया जाए, अनुपात के अनुसार अंक दिए जाएँ!
4. यदि किसी प्रश्न का उत्तर दो बार दिया गया है और उनमें से कोई भी विद्यार्थी द्वारा काटा नहीं गया है, तब केवल पहले उत्तर को ही जाँचा जाना चाहिए तथा दूसरे पर "अतिरिक्त" लिखा जाना चाहिए।
5. यदि अंक योजना में कोई उत्तर नहीं दिया गया है अथवा दिया गया कोई उत्तर गलत पाया जाता है, तब सही उत्तर ज्ञात कर उसे मूल्यांकन के लिए प्रयोग किया जाए।

**General Instructions:**

**1.** The Marking Scheme provides general guidelines to reduce subjectivity and maintain uniformity. The answers given in the marking scheme are the best suggested answers.
**2.** Marking be done as per the instructions provided in the marking scheme. (It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration).
**3.** Alternative methods be accepted. Proportional marks be awarded.
**4.** If a question is attempted twice and the candidate has not crossed any answer, only first attempt be evaluated and 'EXTRA' be written with the second attempt.
**5.** In case where no answers are given or answers are found wrong in this Marking Scheme, correct answers may be found and used for valuation purpose.

## खण्ड : 'क' अपठित-अवबोधनम् – ( 10 अङ्काः )

1

**I.** (i) यन्त्रस्य
(ii) अविवेकपूर्णः
**II.** (i) व्यवधानं भवति।
(ii) आविष्कारस्य दुष्प्रयोगेन शान्ति ----।
**III.** (i) (द) वैज्ञानिकाः
(ii) (अ) दुष्प्रयोगं
(iii) (स) लोकप्रियं
(iv) (ब) आविष्काराय
**IV.** आविष्काराः

10

## खण्डः 'ख' रचनात्मक-कार्यम् – ( 15 अङ्काः )

2

(i) प्रधानाचार्यमहोदय (ii) श्रीमन् (iii) यत्
(iv) अस्मि (v) लिपिकः (vi) सप्तसहस्ररुप्यकाणि
(vii) भगिनी (viii) अहम् (ix) शुल्कक्षमापनार्थं
(x) विनीतः शिष्यः

5

| | | | |
|---|---|---|---|
| | 3 | शब्दान् गृहीत्वा छात्राः, स्वेच्छया संस्कृतेन पञ्चवाक्येषु चित्रस्य वर्णनं करिष्यन्ति।<br>प्रतिवाक्यम् अंकद्वयं भविष्यति, एकः अंकः तथ्याय, एकः च अंकः भाषायाः शुद्धतायै। | 10 |
| | | **अथवा** | |
| | | भाव-व्याकरणदृष्ट्या शुद्ध-वाक्यार्थम् पूर्णांकाः देयाः, त्रुटिपूर्णवाक्यार्थम् यथायोग्यम्। पञ्चवाक्यानि लेखनीयानि। | 10 |
| | | **खण्डः 'ग' अनुप्रयुक्त व्याकरणम् - ( 30 अङ्काः )** | |
| | 4 | (i) (ब) गच्छन्<br>(ii) (अ) भवताम्<br>(iii) (अ) विद्वांसः<br>(iv) (अ) राज्ञः / (स) राज्ञाम्<br>(v) (ब) आत्मा<br>(vi) (स) भवतः | 6 |
| | 5 | (i) द्वौ<br>(ii) पञ्चानाम्<br>(iii) एकस्मै<br>(iv) चतुर्षु<br>(v) एका<br>(vi) त्रीणि | 6 |
| | 6 | (i) (स) नयन्तु<br>(ii) (स) मोदन्ताम्<br>(iii) (द) पृच्छ<br>(iv) (द) चिन्तयेम<br>(v) (द) याचेमहि<br>(vi) (ब) इच्छन्तु | 6 |
| | 7 | (i) (ब) कोलाहलेन<br>(ii) (अ) देवालयम्<br>(iii) (ब) दुष्टेषु<br>(iv) (अ) सर्वेभ्यः<br>(v) (द) धर्मात्<br>(vi) (अ) ग्रहाणाम् | 6 |
| | 8 | (i) (अ) लिख् + क्त<br>(ii) (स) भक्षितवन्तः<br>(iii) (ब) हस् + शतृ<br>(iv) (द) स्मरन्ती<br>(v) (स) वर्तमानः<br>(vi) (ब) स्था + क्तवतु | 6 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | **खण्ड : 'घ' पठित-अवबोधनम् - 35 अङ्काः** | |
| | 9 | I. एकपदेन<br>(i) जनकः<br>(ii) राज्ञः<br>II. एकवाक्येन<br>अष्टावक्रस्य आत्मज्ञानम् ..... प्रभावितः अभवत्।<br>III. भाषिककार्यम्<br>(i) (अ) भवान्<br>(ii) (ब) जनकः | 5 |
| | 10 | एकपदेन उत्तरत- (i) महीरुहाः (ii) वृक्षेभ्यः<br>पूर्णवाक्येन उत्तरत-यतः तेषां जन्म सर्वप्राणिनाम् उपजीवनम् भवति।<br>भाषिककार्यम्- (i) (स) महीरुहाः (ii) (अ) महीरुहेभ्यः | 5 |
| | 11 | I. एकपदेन उत्तरत -<br>(i) लक्ष्मीधरः (ii) दिनकरदीप्तिरिव<br>II. पूर्णवाक्येन।<br>सर्वे अमात्याः कर्मचारिणः च यथास्थानम् आसनानि अध्यासते।<br>III. भाषिककार्यम्।<br>(i) (स) विपदः (ii) (स) सततम् | 5 |
| | 12 | **(क)** (i) क्रीडन (ii) आदिषु (iii) अपि<br>(iv) अभिन्नम् (v) भारतम्<br>**(ख)** (i) धर्ममोक्षान्वितम् (ii) नैकमार्गेः (iii) प्रभुम्<br>(iv) आराधयत् (v) अनारतम् | 5 |
| | 13 | (i) कस्मै<br>(ii) किम्<br>(iii) केषाम्<br>(iv) केभ्यः<br>(v) कदा | 5 |
| | 14 | 1, 5, 9, 4, 6, 2, 7, 8, 10, 3 | 5 |
| | 15 | (i) (ब) सुशोभतां<br>(ii) (स) आश्रयः<br>(iii) (ब) चेष्टाः<br>(iv) (ब) अस्ति<br>(v) (अ) सदैव | 5 |
| | | -o0o0o0o- | |